ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

दुगनी खुशी

कक्षा –vii

विषय –हिन्दी

पाठ -५

PPT-५ (प्रश्नोत्तर)

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

मौखिक

कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए

(क) संजय का घर स्कूल से कितना दूर था ?

उत्तर –संजय का घर स्कूल से दो किलोमीटर दूर था ।

(ख) संजय कौन-सी कक्षा में पढ़ता था?

उत्तर –संजय दसवी कक्षा में पढ़ता था ।

(ग) संजय की कौन-सी टाँग टूटी थी?

उत्तर –संजय की बायीं टाँग टूटी थी ।

(घ) संजय के चिड़चिड़ेपन का कारण क्या था?

उत्तर –बोर्ड की परीक्षा के तनाव से वह चिड़चिड़ा हो गया था ।

(ङ) संजय की मदद किसने की?

उत्तर –संजय की मदद अमर ने की थी ।

(च) अमर की कौन-सी बात सबको अच्छी लगती?

उत्तर –सबकी मदद करने की बात अच्छी लगती ।

(छ) उपहार पाकर अमर ने क्या कहा?

उत्तर –उपहार पाकर अमर ने कहा उसने इनाम के लालच में कुछ नहीं किया ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

लिखित

1. संदर्भ सहित आशय स्पष्ट कीजिए

(क) "मैडम अगर आप इजाजत दें तो मैं यह काम कर सकता हूँ?"

उत्तर -संजय स्कूल जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसकी दसवीं की परीक्षा थी। चिंता और घर में रहने के कारण वह

चिड़चिड़ा हो गया था। संजय की माँ स्कूल गई और उन्होंने सारी घटना टीचर को बताई। टीचर ने किसी बच्चे से नोटबुक लेने की बात कही पर परीक्षा नज़दीक होने कारण नोटबुक मिलना मुश्किल था। तब मेधावी छात्र अमर ने मदद का हाथ बढ़ाया और कहा कि वह संजय की मदद करेगा।

(ख) " संजय मेरा दोस्त ही नहीं भाई है। "

उत्तर -अमर संजय की खूब मदद कर रहा था। वह संजय को पढ़ाता, फिर खुद पढ़ता। यह देखकर संजय की माँ ने अमर से कहा कि संजय के कारण उसे तकलीफ़ होती होगी या फिर वह थक जाता होगा। तब अमर ने संजय माँ से कहा कि संजय सिर्फ उसका दोस्त नहीं, भाई भी है।

(ग) "कृपया आंटी, ऐसा कर मेरी खुशी न छीनें...।"

उत्तर -अमर ने संजय की मदद की थी। संजय की माता को अमर पर गर्व था, इसके बदले वह अ को कुछ उपहार के रूप में देना चाहती थी, लेकिन उपहार देखकर अमर ने कहा कि उसने कोई काम उपहार के लालच में नहीं किया था। अगर वह उपहार लेगा, तो उसकी खुशी छिन जाएगी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

२ चरित्र चित्रण कीजिए

(क) संजय के गुणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर -संजय एक अच्छा लड़का था। वह दसवीं कक्षा में पढ़ने वाला ईमानदार लड़का था। संजय को अमर के प्रति प्रेम था। अमर के काम के प्रति वह कृतज्ञ था। वह एक आत्मविश्वासी लड़का था।

(ख) अमर 'अच्छे मित्र' की मिसाल है, कैसे? लिखिए।

उत्तर -अमर संजय का मित्र था। वह अपने माता-पिता को अच्छे काम करते देखता था तथा उन्हीं के बताए मार्ग पर चलना चाहता था। माता-पिता के अच्छे विचार से प्रभावित होकर वह संजय की परीक्षा की तैयारी में खूब मदद करता है। अपनी तैयारी के साथ-साथ संजय की मदद भी करता था। दूसरों को खुशी देने पर उसे दुगुनी खुशी मिलती है। संजय की मदद करने पर वह उपहार लेने से भी इंकार कर देता है। 'मदद करना' उसके जीवन का मूल उद्देश्य है। वह माता-पिता की सीख को पूरी तरह अपने जीवन में पूरी तरह उतार लेता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) संजय के साथ क्या दुर्घटना हुई ?

उत्तर -संजय स्कूल जा रहा था। स्कूल जाते समय संजय की साइकिल को एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे उसकी बायीं टाँग की हड्डी टूट गई।

(ख) अध्यापिका ने संजय की मदद कैसे की ?

उत्तर -अध्यापिका ने संजय को नोटबुक दिलवाकर मदद की।

(ग) अमर संजय का सच्चा साथी कैसे बना?

उत्तर -अमर ने संजय की सच्चे दिल से मदद की और उसका सच्चा साथी बना।

घ) 'मदद करनी है' अमर ने यह सीख किससे और कैसे सीखी ? (मूल्यपरक प्रश्न)

उत्तर -मदद करनी है यह सीख अमर ने अपने माता-पिता से सीखी। वह अपने माता-पिता को दूसरों की मदद करते देखता था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए

(क) अगर आपके मित्र को आपकी मदद की आवश्यकता पड़े तो आप क्या करेंगे?

उत्तर - मित्रता सबसे बड़ी देन है। अच्छा मित्र मिलना बहुत कठिन होता है। अगर मेरे मित्र को मेरी आवश्यकता आन पड़ी तो मैं उसकी मदद जरूर करूँ गा। चाहे मुझे तकलीफ़ क्यों न हो, मैं हर कष्ट में उसकी मदद करूँगा। किसी भी फल की अपेक्षा नहीं करूँगा। मित्र की मदद करना मेरा मूल उद्देश्य होगा। मैंने पुराण कथाओं में कर्ण, सुदामा-कृष्ण की कथाएँ सुनी हैं, मैं भी उन्हीं की तरह बनने की कोशिश करूँगा। वैसे भी मित्र वही जो कठिनाइयों में साथ दे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ख) 'दुगुनी खुशी' शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए ?

उत्तर -डॉ० शकुंतला कालरा लिखित 'दुगुनी खुशी' का शीर्षक पूर्णतः सार्थक है। खुशी की परिभाषा अलग-अलग है,

किसी को कुछ देने में खुशी मिलती है तो कुछ लोगों को लेने में। इस पाठ में अमर संजय की मदद करता है।

संजय के दुर्घटनाग्रस्त होने पर वह परीक्षा की तैयारी में उसकी खूब मदद करता है। स्कूल से आकर वह संजय

को पढ़ाता है। वह संजय का आत्मविश्वास बढ़ाता है। मदद करने की प्रवृति वह अपने माता-पिता से सीखा है। संजय की माँ

जब अमर को उपहार देने की इच्छा प्रकट करती है तब वह उसे लेने से इंकार करता है और कहता है कि उसने मदद उपहार

या इनाम के लालच से नहीं की है। इस प्रकार देने से खुशी बढ़ती है, लेने से नहीं। यह बात 'दुगुनी खुशी' पाठ में पूर्णत:

सिद्ध हुई है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भाषाज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए

(क) परीक्षा------- इम्तीहान, विवेचना, जाँच-पड़ताल।

(ख) मेधावी------ -जहीन, मेधावान, बुद्धिमानी, बुद्धि, तीक्ष्ण, अक्लमंद।

(ग) प्रसन्नता----- नंद, हर्ष, सुख, आमोद, मोद, आह्लाद, प्रमोद, उल्लास।

(घ) लालच--------- लोभ, लिप्सा, तृष्ण, प्रलोभन, लालसा

(ङ) मदद---------- सहायता, सहयोग

(च) विद्यालय------ पाठशाला, शिक्षालय, ज्ञानमंदिर, विद्यापीठ

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए

क डर –निडर

ख प्रसनता –अप्रसन्नता

ग अमर –मर्त्य

घ खुशी –गम

ड सुंदर –असुंदर

च तेज –मंद

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए

(क) घर की शान---बच्चे घर की शान होते हैं।

(ख) आत्मविश्वास लौटना---मुसीबत के समय मित्रों के साथ होने से आत्मविश्वास लौट आता है।

(ग) मन गर्वित होना----अच्छे अंक देखकर पिता का मन गर्वित हो उठा।

(घ) लालच न करना----(घ) दूसरों की चीज़ों का लालच नहीं करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए

संजय रोज की तरह अपने स्कूल जा रहा था।

दो महीने बाद ही उसकी बोर्ड की परीक्षा थी।

आप मुझे समय पर वापस दे जाएँ।

वे दोनों उसकी बातें को सुन रहे थे ।

इन सभी वाक्यों में रेखांकित पद सर्वनाम हैं। सर्वनाम वे होते हैं, जो संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में सर्वनाम के भेदों के नाम लिखिए

(क) बच्चों ने अपना काम स्वयं कर लिया।

• उत्तर –निजवाचक सर्वनाम

(ख) बाहर कौन खड़ा है ?

• उत्तर –प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ग) हम घर जा रहे हैं।

• उत्तर –पुरूषवाचक सर्वनाम

(घ) जो करेगा, सो भरेगा।

• उत्तर –सम्बद्धवाचक सर्वनाम

(ङ) बच्चों से कहा गया कि वे अपना काम अपने आप ही कर लेंगे।

उत्तर –निजवाचक सर्वनाम

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

वर्तनी से संबंधित

प्राचीन रूप

गये, आयीं, उठायी गयीं गयी, दायें आये, फैलाये, चलायी, उठाये, बनाये जायेंगे

उपर्युक्त शब्दों को पढ़कर आपको लगा होगा कि ये शब्द गलत हैं, आप अपनी जगह बिलकुल सही सोच रहे होंगे। वर्तमान समय में हम इन्हें अशुद्ध मानते हैं लेकिन पहले ये शब्द ऐसे ही लिखे जाते थे। भाषा परिवर्तनशील है, इसमें परिवर्तन होते रहते हैं। अब उपर्युक्त शब्दों का निम्नलिखित रूप देखिए, जिनका प्रयोग हम वर्तमान समय में करते हैं

वर्तमान रूप (परिवर्तित रूप)

- **गए. आई. उठाई गई गई, दाएँ, आए. फैलाए चलाई उठाए, बनाए. जाएँगे**

- **आप हिंदी भाषा बोलते और लिखते समय उपर्युक्त शब्दों की वर्तनी को ध्यान में रखें।**

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP